ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
पर्यावरण विज्ञान विभाग
डा0 यशवन्त सिंह परमार औद्यानिकी एवम् वानिकी विश्वविद्यालय, नौणी, सोलन
भारत मौसम विज्ञान विभाग, भू-विज्ञान मंत्रालय
(भारत सरकार)
मौसम और कृषि दृष्टिकोण

Tel: +91-1792-252706 ; e-mails: Jangra_ms@live.com, hodevs@yspuniversity.ac.in

वर्ष: 24 अंक: 109 अवधि: 16-20 मई 2018 दिनांक: 15-05-2018

शिमला, सोलन, सिरमौर व बिलासपुर जिलों के मौसम का पूर्वानुमान

पिछले सप्ताह का मौसम: पिछले सप्ताह सभी जिलों में मौसम परिवर्तनशील रहा तथा सोलन में कुल 33 मिमी वर्षा हुई। दिन व रात का तापमान सामान्य से कम रहा।

आने वाले पांच दिनों के मौसम का पूर्वानुमान

अगले पांच दिनो में मौसम हल्के बादलों के साथ शुष्क रहेगा। 16 मई को गर्ज/चमक के साथ एक-दो स्थानो पर हल्की बुन्दाबान्दी हो सकती है। दिन व रात के तापमान में हल्की 1-2 डिसे की बढौतरी होने की संभावना है। हवा पूर्वी-उतर-पूर्वी दिशा से 8 से 12 कि.मी. प्रति घण्टा की गति से चलने तथा औसतन सापेक्षित आर्द्रता 31-88 प्रतिशत तक रहने की संम्भावना है।

सप्ताहिक कृषि कार्य

बागवानी सम्बंधित कार्य:

जहां ओलावृष्टि हुई हो वहां इसके के तुरन्त बाद कार्बन्डाजिम 100 गाम या मैन्कोजैब 60 ग्राम का 200 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें तथा 3-4 दिन के अन्दर बोरिक एसिड 200 ग्राम + जिंकसल्फेट 500 ग्राम + अनबुझा चूना 250 ग्राम का 200 लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें।सेब में कॉलर रोग, सड़न रोग, डाईबैक रोग से बचाने के लिए कॉपर आ।क्सीक्लोराईड 3 ग्राम प्रति लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें। निम्बू जातिय फलों में कैंकर की रोथाम के लिए कॉपर आ।क्सीक्लोराईड 600 ग्राम /200 लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें।

सब्जी फसलों सम्बंधित कार्य:

निचले क्षेत्रों में टमाटर, बैगन, षिमलामिर्च, तेज मिर्च, खीरा, करेला, कद्दू वगीय फसलों, भिण्डी तथा फासबीन में खरपतवार निकालें तथा नत्रजन की दुसरी मात्रा डालें।मध्यवर्ती व उपरी क्षेत्रों में इन फसलों की तैयार पौध की रोपाई करें। इन फसलों में तेले की रोकथाम के लिए आक्सीडेमेटॉन मिथाईल का 1 मिली प्रति लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें।

परिरक्षण कार्य:

इस समय लहसून का आचार, स्टराबैरी का जैम, तथा टमाटर के विभिन्न पदार्थ, पपीते की चटनी, जैम, तथा कैन्डी इत्यादि बनाए जा सकते है।

मौन पालन:

जिन मौनवशों की बढौतरी सुचारु रुप से न हो, रानी निकम्मी या बूढी हा तो उनको नई रानी दें। विभाजन विधि द्वारा मौनवशों में वृदि करें। नई रानी भी तैयार की जा सकती है। मौनवशों में गणछूट का निश्त्रंण करें व सशक्त रखें।

पशुधन सम्बंधित कार्य:

30 डिग्री से अधिक तापमान होने पर जानवरों में हीट स्टरेस के लक्षण आने लगते है, चारेतथा दाने का कम उपयोग करते हैं, दूध उत्पादन व प्रजनन क्षमता में कमी आ जाती है। इसलिए पशुओं को पर्याप्त छाया प्रदान करें।

डॉ मोहन सिंह जॉगडा
नोडल ऑफिसर

डॉ सतीश भारद्वाज
विभागाध्यक्ष